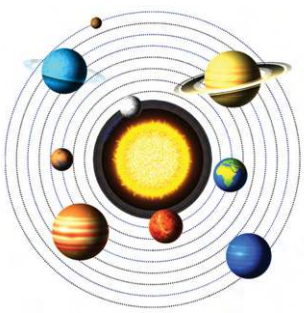

जुलाई 2026

नक्षत्रों की वाणी

मेष

आलस्य एक ऐसा दोष है, जिससे जातक के भाग्य में लिखी सफलता भी असफलता में बदल जाती है। आप स्वयं को प्रयासपूर्वक आलसी होने से बचायें, अपनी दैनिक दिनचर्या में तत्परता रखें। इस माह व्यवहार और वाणी में संयम बनायें रखें। इस माह आय के संसाधनों में वृद्धि होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, किन्तु लाभ प्राप्ति के लिये आपको अनावश्यक खर्च नियन्त्रित करना पड़ेगा। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'भुवनेश्वरी दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 11, 20, 28 हैं।

वृषभ

इस माह सुख-दुःख, दिन-रात की तरह आते जाते रहेंगे। बुद्धिमान व्यक्ति विवाद और व्यर्थ की बातों में तटस्थ भाव रखते है, आप भी तटस्थ भाव अपनायें। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और आपकी उन्नति देखकर शत्रुपक्ष आपको परेशान करने का प्रयत्न करेगा। सम्पत्ति क्रय करते समय सावधानी रखें, धोखा हो सकता है। सद्गुरुदेव एवं इष्ट के प्रति आपकी श्रद्धा से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'महाकाली दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 11, 15, 24, 31 हैं।

मिथुन

वर्तमान समय आपका परीक्षा काल है, किन्तु आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है। गुरु कृपा से समस्याओं का हल करने में सफल होंगे। आर्थिक पक्ष को लेकर सावधानी रखें, उधार के लेन-देन से बचें। राजकीय एवं न्यायिक कार्यों में विश्वासी सहयोगियों की सलाह से कार्य करें। जीवन साथी से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा, संतान पक्ष से सुखद समाचार आत्मविश्वास में वृद्धि करेंगे। आप अनुकूलता हेतु **'विन्ध्यवासिनी साधना'** (जून 2026) अवश्य सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 4, 10, 14, 25 हैं।

कर्क

नवग्रहों के प्रभाव से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। इस माह परिश्रम और योग्यता से सफलता प्राप्त होगी, परिणामस्वरूप नवीन भवन एवं वाहन प्राप्ति होगी। इस माह बेरोजगार व्यक्तियों को योग्यता अनुरूप रोजगार प्राप्त होगा। परिवार में किसी बात पर वाद-विवाद हो सकता है, सम्पति सम्बन्धी मामलों में सोच-विचार कर निर्णय करें। अविवाहित युवक-युवती के विवाह के श्रेष्ठ योग बन रहे है। आप लाभ प्राप्ति हेतु सद्गुरुदेव से **'इन्द्र वैभव वर्चस्व दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 7, 12, 20, 28 हैं।

सिंह

समय चुनौतीपूर्ण है आप असमंजस का त्याग कर बुद्धि-विवेक का उपयोग करें। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिये कर्मशील रहें, धैर्य पूर्वक कार्य करें सफलता अवश्य प्राप्त होगी। व्यापार एवं नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति समय की आवश्यकता को देखते हुए नये अवसरों एवं संभावनाओं पर विचार कर, योजनापूर्वक आगे बढ़े। शुभचिन्तकों एवं सहयोगियों से से सम्पर्क में रहे, भविष्य में आवश्यकता होगी। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव **'आपदा उद्धारक बटुक भैरव दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 14, 18, 30 हैं।

कन्या

अपनी योजनाओं को, अपने सपनों को धरातल पर उतारने के लिये कर्म साधना करनी पड़ती है। कर्म के अभाव में योजनाएं असफल हो जाती है, इसी सत्य को स्वीकार कर कर्म-पथ पर गतिशील बनें रहे। इस माह नवीन अवसरों की प्राप्ति होगी, आर्थिक लाभ के योग भी बन रहे है। अपने खर्च को नियन्त्रित कर भविष्य के लिये निवेश करें। संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त होगा, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप अनुकूलता हेतु **'चन्द्रमौलिश्वर साधना'** (मई 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 12, 20, 29, 31 हैं।

तुला

व्यक्ति के साथ धोखा, विश्वासघात तब होता है, जब वह आंखें बंद कर किसी पर भी विश्वास कर लेता है। इस माह आपके साथ भी धोखा, विश्वासघात हो सकता है, सावधानी रखें। व्यर्थ के वाद-विवाद से अपने आप को दूर रखें अन्यथा आपकी प्रगति, उन्नत्ति के साथ मानसिक शान्ति भी समाप्त हो जायेगी। उच्च बृहस्पति की स्थिति शिक्षा प्रतियोगिता में आपको लाभ दिलायेगी। इस माह यात्रा करते समय सावधानी रखें। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'शनि प्रसन्न दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 5, 10, 17, 25 हैं।

वृश्चिक

वर्तमान समय मिश्रित फल कारक है धूप-छांव की तरह सुख-दुख की अनुभूति आपको होती रहेगी। साथ ही आप ध्यान रखें किसी समस्या को लेकर चिंता करना उसका समाधान नहीं है उसकी अपेक्षा बुद्धि-विवेक से उसका हल खोंजे। सम्पति सम्बन्धी किसी लम्बित कार्य के पूर्ण होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। इस माह क्रोध और आवेश में आकर कोई निर्णय नहीं करें अन्यथा बनता कार्य बिगड़ सकता है। अनुकूलता हेतु **'ऋण मोचन मंगल साधना'** (मई 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 9, 18, 25 28 हैं।

धनु

नवग्रहों के प्रभाव से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होने जा रही है, लोग आपके कार्य की प्रशंसा करेंगें। व्यापार क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति अपना कार्य विस्तार करने के लिये यात्रा इत्यादि पर जा सकते है, जिसका आपको उचित लाभ प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्ति अपने उच्च अधिकारीयों को प्रसन्न कर प्रमोशान प्राप्त करने में सफल हो सकते है। संतान के भविष्य को चल रही समस्या के हल होने से शांति प्राप्त होगी। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'कमला महाविद्या दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 12, 22, 28, 30 हैं।

मकर

अपने शुभ चिन्तकों, सहयोगियों और अपने शत्रुओं, प्रतिद्वंद्वों को पहचानने का प्रयास करें। मित्र रूपी शत्रु आपको ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है और कठोर वचन कहने वाला मित्र आपकी उन्नति में सहयोगी हो सकता है। समय उन्नतिप्रदायक है अतः व्यर्थ के वाद-विवाद से दूर रहे और

☆ **सर्वार्थ सिद्धि योग** - 3, 7, 9, 11, 13, 19, 24, 26 जुलाई / 2, 4, 8, 16 अगस्त ☆ **अमृत योग** - 11, 13, 19 जुलाई / 4, 8, 16 अगस्त ☆ **द्विपुष्कर योग** - 9 अगस्त ☆ **त्रिपुष्कर योग** - 11 जुलाई / 25, 29 अगस्त ☆

अपने लक्ष्य, कार्यों पर ध्यान केन्द्रित रखें। निवेश हेतु शुभ समय है, संतान के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण निणर्य हो सकते है। अनुकूलता हेतु **'आद्या विभूषिणी योगिनी साधना'** (मई 2026) करें। शुभ तिथियां - 5, 10, 16, 26 हैं।

कुम्भ

सुबह की भौंर से पहले अंधेरा गहरा जाता है, पर सूर्य की प्रकाश किरणें जब क्षितिज पर आती है तो अंधकार छू मंतर हो जाता है। आपके जीवन में भी गुरुशक्ति का प्रकाश अवरोधों, समस्याओं, परेशानियों को समाप्त कर आपको शांति, सम्मान और धन प्रदान करवायेगा। गुरुशक्ति पर विश्वास रखते हुए कठिन समय में भी कर्म करते रहे, सफलताएं जल्द ही बरसेगी, हर स्थिति पर विजय प्राप्त होगी। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'गुरू शक्ति भाग्योदय दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 15, 18, 25, 31 हैं।

मीन

वर्तमान समय मिश्रित फलकारक है। सफलता प्राप्ति हेतु आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें और व्यर्थ के कार्य से अपने को दूर रखें। इस माह आर्थिक पक्ष को लेकर भी आपको सावधानी रखनी है और व्यर्थ के खर्च से बचना है। बेरोजगार व्यक्तियों का संघर्ष समाप्त होने जा रहा है, आपको आपकी योग्यता अनुरूप रोजगार की प्राप्ति संभव है। राजनीति क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को सफलता प्राप्त होगी। अनुकूलता हेतु **'वार्तालाी तीव्र तंत्र स्तम्भन साधना'** (जून 2026) करें। शुभ तिथिया - 3, 12, 25, 30 हैं।

इस मास के व्रत, पर्व एवं त्यौहार

15 जुलाई	आषाढ़ शु.-01	बुधवार	गुप्त नवरात्रि प्रारम्भ
22 जुलाई	आषाढ़ शु.-09	बुधवार	नवमी
25 जुलाई	आषाढ़ शु.-11	शनिवार	देव शयनी एकादशी
29 जुलाई	आषाढ़ शु.-15	बुधवार	गुरु पूर्णिमा
03 अगस्त	श्रावण कृ.-05	सोमवार	श्रावण प्रथम सोमवार
09 अगस्त	श्रावण कृ.-11	रविवार	कामदा एकादशी
10 अगस्त	श्रावण कृ.-12	सोमवार	श्रावण द्वितीय सोमवार
12 अगस्त	श्रावण कृ.-30	बुधवार	हरियाली अमावस्या

काल निर्णय

साधक, पाठक तथा सर्वजन सामान्य के लिए समय का वह रूप यहां प्रस्तुत है; जो किसी भी व्यक्ति के जीवन में उन्नति का कारण होता है तथा जिसे जान कर आप स्वयं अपने लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

नीचे दी गई सारिणी में समय को श्रेष्ठ रूप में प्रस्तुत किया गया है - जीवन के लिए आवश्यक किसी भी कार्य के लिये, चाहे वह व्यापार से सम्बन्धित हो, नौकरी से सम्बन्धित हो, घर में शुभ उत्सव से सम्बन्धित हो अथवा अन्य किसी भी कार्य से सम्बन्धित हो, आप इस श्रेष्ठतम समय का उपयोग कर सकते हैं, और सफलता का प्रतिशत **99.9%** आपके भाग्य में अंकित हो जायेगा।

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4.24 से 6.00 बजे तक ही रहता है।

वार/दिनांक	श्रेष्ठ समय	
रविवार (जुलाई 5, 12, 19, 26)	दिन	06:00 से 08:24 तक 11:36 से 02:48 तक 03:36 से 04:24 तक
	रात	06:48 से 10:00 तक 12:24 से 02:48 तक 04:24 से 06:00 तक
सोमवार (जुलाई 6, 13, 20, 27)	दिन	06:00 से 07:30 तक 09:12 से 11:36 तक
	रात	08:24 से 11:36 तक 02:48 से 03:36 तक
मंगलवार (जुलाई 7, 14, 21, 28)	दिन	10:00 से 11:36 तक 04:30 से 06:00 तक
	रात	06:48 से 10:00 तक 12:24 से 02:48 तक 05:12 से 06:00 तक
बुधवार (जुलाई 1, 8, 15, 22, 29)	दिन	06:48 से 10:00 तक 02:48 से 05:12 तक
	रात	07:36 से 09:12 तक 12:24 से 02:48 तक
गुरुवार (जुलाई 2, 9, 16, 23, 30)	दिन	06:00 से 07:36 तक 10:00 से 11:36 तक 04:24 से 06:00 तक
	रात	09:12 से 11:36 तक 02:00 से 04:24 तक
शुक्रवार (जुलाई 3, 10, 17, 24)	दिन	06:00 से 06:48 तक 07:36 से 10:00 तक 12:24 से 03:36 तक
	रात	07:36 से 09:12 तक 10:48 से 11:36 तक 01:12 से 02:48 तक
शनिवार (जुलाई 4, 11, 18, 25)	दिन	06:00 से 06:48 तक 10:30 से 12:24 तक
	रात	08:24 से 10:48 तक 02:48 से 03:36 तक 05:12 से 06:00 तक

आज क्या करना है - वराहमिहिर वचन

किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व प्रत्येक व्यक्ति के मन में संशय-असंशय की भावना रहती है कि यह कार्य सफल होगा या नहीं, सफलता प्राप्त होगी या नहीं, बाधाएं तो उपस्थित नहीं हो जाएंगी, पता नहीं दिन का प्रारम्भ किस प्रकार से होगा, दिन की समाप्ति पर वह स्वयं को तनावरहित कर पायेगा या नहीं? प्रत्येक व्यक्ति कुछ ऐसे उपाय अपने जीवन में अपनाना चाहता है, जिनसे उसका प्रत्येक दिन उसके अनुकूल एवं आनन्दयुक्त बन जाए। कुछ ऐसे ही उपाय आपके समक्ष प्रस्तुत हैं, जो वराहमिहिर के विविध प्रकाशित-अप्रकाशित ग्रंथों से संकलित हैं, जिन्हें यहां प्रत्येक दिवस के अनुसार प्रस्तुत किया गया है तथा जिन्हें सम्पन्न करने पर आपका पूरा दिन पूर्ण सफलतादायक बन सकेगा।

अगस्त - 2026

1. **'वज्रेश्वरी सिद्धि दिवस'** पर सद्गुरुदेव से **'तंत्र बाधा निवारण दीक्षा'** ग्रहण करें।
2. गणपति पर लाल पुष्प अर्पित करें, बाधा समाप्त होगी।
3. **श्रावण के प्रथम सोमवार** पर **'रसेश्वर शिव अभिषेक साधना'** (पृष्ठ सं. 30) सम्पन्न करें।
4. आज **'बजरंग बाण'** का पाठ कर दिन का आरम्भ करें।
5. **श्रावण सप्तमी** पर बाधाओं के समापन हेतु **'आपदा उद्धारक बटुक भैरव साधना'** (जून 26) सम्पन्न करें।
6. गुरु पादुकाओं को गंगाजल से अभिषेक कर उस जल को स्वयं पर छिड़के, रोग बाधा समाप्त होगी।
7. भगवती लक्ष्मी को लाल पुष्प अर्पित करें।
8. एक मुट्ठी काले तिल घर के बाहर रख दें, आने वाली बाधा समाप्त होगी।
9. **कामदा एकादशी** के रसपूर्ण मुहूर्त पर **'शुक्र साधना'** (पृष्ठ सं. 26) अवश्य सम्पन्न करें।
10. **श्रावण के द्वितीय सोमवार** पर **'रसेश्वर शिव अभिषेक साधना'** (पृष्ठ सं. 30) सम्पन्न करें।
11. आज गुड़ खाकर घर से निकलें कार्य सिद्धि होगी
12. **हरियाली अमावस्या और सूर्य ग्रहण** के सिद्ध मुहूर्त में **'तंत्र उत्कीन त्रिपुरा शक्ति दीक्षा'** ग्रहण कर **'तंत्र उत्कीलन त्रिपुरा साधना'** (पृष्ठ सं. 20) सम्पन्न करें।
13. चिटियों को शक्कर मिश्रित आटा डालें, लाभ होगा।
14. आज सफेद वस्तुओं का दान करें।
15. **मधुश्रवा तीज** के अद्वितीय मुहूर्त में **'आद्या विभूषिणी योगिनी साधना'** (जून 2026) अवश्य सम्पन्न करें।
16. गणेशजी को **'ॐ गं गणपतये नमः'** बोलकर इक्कीस बार दूर्वा अर्पित करें।
17. **श्रावण के तृतीय सोमवार** पर **'रसेश्वर शिव अभिषेक साधना'** (पृष्ठ सं. 30) सम्पन्न करें।
18. **श्रावण शु. षष्ठी** पर के **कल्कि जयन्ती** पर सद्गुरुदेव से **'क्रियमाण भाग्योदय दीक्षा'** ग्रहण करें।
19. तेल का दीपक जलाकर घर के बाहर रख दें।
20. आज प्रातः गुरु स्मरण कर घर से निकलें।
21. **'गुरु जन्म'** दिवस पर विशेष गुरु पूजन कर, गुरु सेवा का संकल्प लें।
22. काले उड़द काला वस्त्र दान करें, धन लाभ होगा।
23. **पुत्रदा एकादशी** के शुभ मुहूर्त में सद्गुरुदेव से **'संतान सौभाग्य दीक्षा'** ग्रहण करें।
24. **श्रावण के चतुर्थ सोमवार** पर **'रसेश्वर शिव अभिषेक साधना'** (पृष्ठ सं. 30) सम्पन्न करें।
25. **मूंगा माला** (न्यौ. 300/-) का पूजन कर धारण करें, आत्मविश्वास जाग्रत होगा।
26. अपने इष्ट का स्मरण कर दिन का आरम्भ करें।
27. प्रातः गुरु आरती अवश्य सम्पन्न करें।
28. **रक्षा बंधन और चन्द्र ग्रहण** के शुभ मुहूर्त में गुरुदेव से **'महामृत्युंजय दीक्षा'** ग्रहण करें।
29. हनुमान विग्रह पर तेल और सिन्दूर अर्पित करें।
30. भगवान सूर्य कुंकुम, अक्षत मिश्रित जल से अर्घ्य दें।
31. **कज्जली तीज** के शुभ योग में प्रेम, सौन्दर्य, दाम्पत्य सुख अभिवृद्धि हेतु सद्गुरुदेव से **'आद्या विभूषिणी योगिनी दीक्षा'** ग्रहण करें।